Roll No. ..... Total Pages: 03

5174-B

M.A. (FINAL) EXAMINATION, 2019

SANSKRIT LITERATURE

Paper – IV

NYAY EVAM VAISHESHIK DARSHAN

Time: Three Hours

Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड– अ

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए– शब्द सीमा 50 शब्द

(क) न्याय सिद्धान्त मुक्तावली के अनुसार पदार्थ कितने होते हैं? नाम लिखिए।

(ख) द्रव्य की परिभाषा एवं गुणों की संख्या लिखिए।

(ग) काल की परिभाषा लिखिए।

(घ) कर्म के लक्षण एवं प्रकार लिखिए।

(ड़) आत्मा पर टिप्पणी लिखिए।

(च) बुद्धि की परिभाषा एवं प्रकार बताइए।

(छ) प्रत्यक्ष प्रमाण के भेद बताइए।

(ज) घ्राणेन्द्रिय एवं रसनेन्द्रिय के ग्राह्य विषयों के नाम लिखिए।

(झ) जिनके परमाणु नित्य हैं और कार्यद्रव्य अनित्य हैं, ऐसे द्रव्यों के नाम लिखिए।

(ञ) मन के अस्तित्व को सिद्ध कीजिए।

खण्ड– ब

इकाई – I

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

सामान्यं द्विविधं प्रोक्तं परं चापरमेव च।
द्रव्यादित्रिकवृत्तिस्तु सत्ता परतयोच्यते।।

अथवा

घटादीनां कपालादौ द्रव्येषु गुणकर्मणोः।
तेषु जातेश्च सम्बन्धः समवायः प्रकीर्त्तितः।।

इकाई – II

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

यत्समवेतं कार्यं भवति ज्ञेयंतु समवायिजनकं तत्।
तत्रासन्नं जनकं द्वितीयमाभ्यां परं तृतीय स्यात्।।

अथवा

आत्मानो भूतवर्गाश्च विशेषगुणयोगिनः।
यदुक्तं यस्य साधर्म्यं वैधर्म्यमितरस्य तत्।।

इकाई – III

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

मनोऽपि न तथा ज्ञानाद्यनध्यक्षं तदा भवेत्।

अथवा

मनोग्राह्यं सुखं दुःखमिच्छाद्वेषोमतिः कृतिः।।

इकाई – IV

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

नित्यद्रव्यवृत्तयोऽन्त्याविशेषाः।

अथवा

सत्यप्यात्मेन्द्रियार्थ सानिध्येज्ञानसुखादीनाम भूत्वोत्पत्ति दर्शनात् करणान्तर मनुमीयते।

इकाई – V

6. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''बुद्धिरूपलब्धिर्ज्ञानम् प्रत्यय इति पर्यायाः सा चानेक प्रकाराऽर्थानन्तया प्रत्यर्थनियतत्वाच्च।

अथवा

अयुतसिद्धानामाधार्याधारभूतानां यः संबंध इह प्रत्ययहेतुः स समवायः।

खण्ड– स

7. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली के अनुसार 'सामान्य' पदार्थ का वर्णन कीजिए।

अथवा

'षौढासन्निकर्ष' का विवेचन कीजिए।

8. 'प्रशस्तपादभाष्य' के अनुसार 'विशेष' पदार्थ का विवेचन कीजिए।

अथवा

'प्रशस्तपादभाष्य' के अनुसार सृष्टि–संहार प्रक्रिया पर लेख लिखिए।